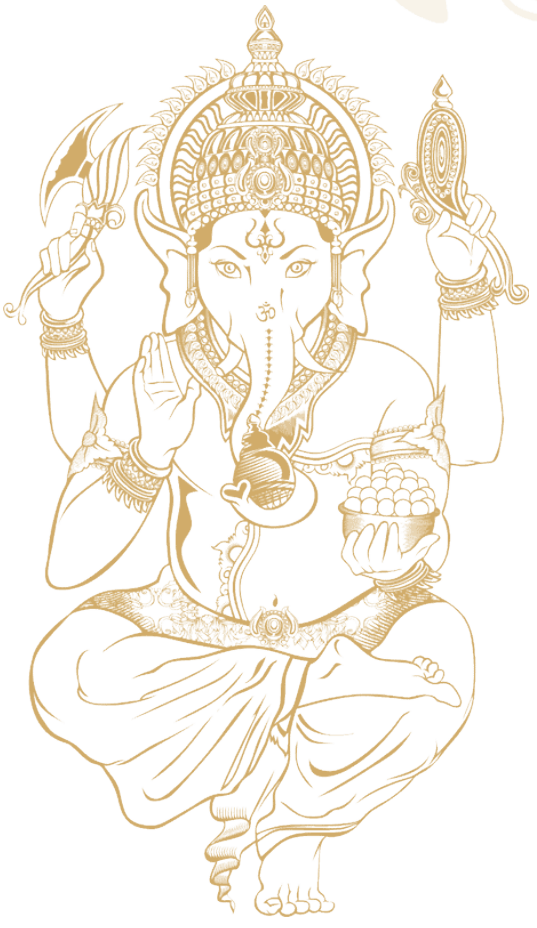

Naveen

Sanju

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121858705

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21-22/10/1988	जन्म तिथि	05/03/1992
शुक्र-शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:30:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 49:46:25	जन्म समय(घटी)	24:09:42 घटी
India	देश	India
Pathankot	स्थान	Gohana
32:16:00 उत्तर	अक्षांश	29:06:00 उत्तर
75:43:00 पूर्व	रेखांश	76:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:25	सूर्योदय	06:44:27
17:46:41	सूर्यास्त	18:25:11
23:42:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 1वर्ष 3मा 5दि		11:47:18	सिंह	लग्न	कर्क	27:17:12	गुरु 2वर्ष 1मा 23दि	
बुध		04:58:56	तुला	सूर्य	कुंभ	21:22:41	बुध	
26/01/2025		19:03:49	कुंभ	चंद्र	मीन	01:32:37	28/04/2013	
26/01/2042		06:26:33	मीन व	मंगल	मक	18:44:37	29/04/2030	
बुध	25/06/2027	18:11:38	कन्या	बुध	मीन	08:34:45	बुध	25/09/2015
केतु	21/06/2028	11:12:04	वृष व	गुरु व	सिंह	15:13:02	केतु	21/09/2016
शुक्र	22/04/2031	26:36:18	सिंह	शुक्र	मक	25:42:09	शुक्र	23/07/2019
सूर्य	26/02/2032	04:22:28	धनु	शनि	मक	19:35:52	सूर्य	29/05/2020
चन्द्र	28/07/2033	19:33:57	कुंभ	राहु व	धनु	13:34:35	चन्द्र	28/10/2021
मंगल	25/07/2034	19:33:57	सिंह	केतु व	मिथु	13:34:35	मंगल	25/10/2022
राहु	10/02/2037	04:14:37	धनु	हर्ष	धनु	23:19:46	राहु	14/05/2025
गुरु	19/05/2039	14:01:01	धनु	नेप	धनु	24:38:00	गुरु	19/08/2027
शनि	26/01/2042	18:15:06	तुला	प्लूटो व	तुला	29:10:36	शनि	29/04/2030

लग्न-चलित

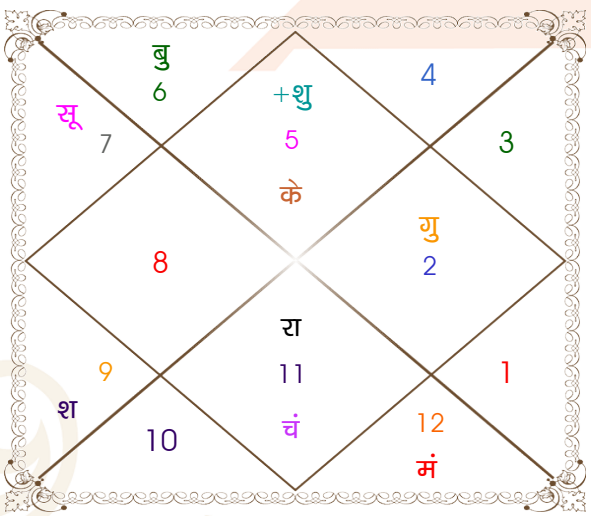

लग्न-चलित

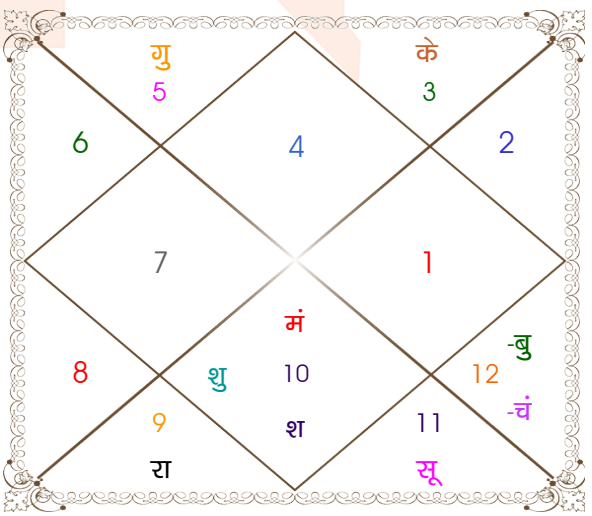

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	8.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Naveen का वर्ग मेष है तथा Sanju का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Sanju का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Naveen कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sanju मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Sanju कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sanju कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sanju कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Naveen कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Sanju में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।